दैनिक जागरण
28.10.2018

खेल में हार को सही मनोभाव से लेकर करना चाहिए सुधार

जागरण संवाददाता, वाराणसी : अर्जुन अवार्डी एवं शतरंज खिलाड़ी प्रवीन थिप्से का कहना है कि महान चेस खिलाड़ी गैरी कासपुरोव का उनके जीवन में खेल का महत्व काफी है। उनके संदेश हमें खेले के नियमों के भीतर रहकर खेलने की शिक्षा देते हैं। आइआइटी, बीएचयू में आयोजित स्पर्धा 2018 के दूसरे दिन शनिवार को बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने कहा कि खेलों में मिली हार को सही मनोभाव से ग्रहण करना चाहिए। उन्होंने छात्र-छात्राओं को पूरी तरह स्वस्थ रहने की सलाह दी।

थिप्से ने कहा कि जीवन भी एक प्रकार का खेल है, जिसमें हमें दूसरों से तुलना न करते हुए खुद की उन्नति को केंद्रित करना चाहिए। वहीं इस खेल उत्सव में देश के विभिन्न संस्थानों से आए खिलाड़ियों ने अपना दम दिखाया।

स्पर्धा-2018

- **आइआइटी-बीएचयू के खेल उत्सव में बोले शतरंज खिलाड़ी प्रवीन थिप्से**
- **छात्र-छात्राओं को पूरी तरह स्वस्थ रहने की दी सलाह**

कई प्रतियोगिता में आइआइटी बीएचयू अव्वल

हॉकी में एनआइटी जालंधर, आइआइटी कानपुर, आइआइटी- बीएचयू, एमएमएम यूटीएन आइटी जमशेदपुर व आइआइटी-बीएचयू की दूसरे टीम ने भी जीत दर्ज की। वहीं खो-खो में पुरुष वर्ग में आइआइटी बीएचयू विजेता रही। महिला वर्ग में आइआइटी बीएचयू प्रथम व सनबीम की टीम द्वितीय रही।

क्रिकेट प्रतियोगिता में भी कई रोमांचक मुकाबले हुए जिसमें आइआइटी बीएचयू की दोनों टीम, एनआइटी त्रिची, केएनआइटी सुल्तानपुर, एनआइटी पटना, एनआइटी सिलचर, आइआइटी दिल्ली व आइआइएसएम ने जीत दर्ज की। महिला बास्केटबॉल में आइआइटी बीएचयू आइआइआइटी अलाहबाद, शिवनादर एवं जीडब्लूइसी ने बाजी मारी।

चेस में आइआइटी कानपुर ने मारी बाजी : चेस में आइआइटी कानपुर, आइआइटी बीएचयू, एनआइटी त्रिची, आइआइटीआइ एसएम, केएनआइटी सुल्तानपुर एवं आरजीआइपीटी ने जीत का परचम लहराया। महिला टेनिस में एमआइटी, पुरुष टेनिस में आइआइटी बीएचयू, महिला वॉलीबॉल में एमआइटीएस, बैडमिंटन में पुरुष वर्ग में बीएमएल, 100 मीटर रिले तैराकी में एनआइटी त्रिची प्रथम, आइआइटी बीएचयू द्वितीय व एनआइटी राहउरकेला तृतीय स्थान पाई।

बेहतर करें दिनचर्या तो दूर होंगी बीमारियां

जासं, वाराणसी : अनियमित जीवनशैली के कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, मोटापा, जोड़ों का रोग जैसी बीमारियां होती हैं। अगर हम समय से सोना, जागना, संयमित खानपान, व्यायाम एवं योग आदि ध्यान दें तो रोगों से दूर रह सकते हैं।

उक्त बातें शनिवार को बीएचयू के केएन उडप्पा सभागार में आयोजित सम्मेलन में विशेषज्ञों ने कही। अनियमित जीवनशैली विकारों के चिकित्सा के एकीकृत विषय पर दो दिवसीय यह आयोजन आयुर्वेद संकाय, चिकित्सा विज्ञान संस्थान के काय चिकित्सा विभाग की ओर से हुआ। इसके मुख्य अतिथि त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू स्थित चिकित्सा संस्थान के डीन डा. जेपी अग्रवाल रहे। इस मौके पर प्रो. वीडी अग्रवाल, प्रो. जेएस त्रिपाठी, प्रो. राजेंद्र प्रसाद, डा. अजय पांडेय, डा. एके द्विवेदी आदि ने विचार रखे। कार्यक्रम का संयोजन गुंजन बंसल ने किया।

आयुर्वेद में भी हो सुपर स्पेशियलिटी : आधुनिक चिकित्सा की तर्ज पर आयुर्वेदिक पद्धति में भी सुपर स्पेशियलिटी की सुविधाएं होनी चाहिए। हर मरीज चाहता है कि उसका उपचार विशेषज्ञ चिकित्सक ही करे। इस संबंध में प्रदेश सरकार एवं आयुष मंत्रालय को भी प्रस्ताव दिया जा चुका है। उक्त बातें राजकीय आयुर्वेद कालेज, लखनऊ के डा. संजीव रस्तोगी ने शनिवार को बीएचयू के केएन उडप्पा सभागार में बातचीत के दौरान कही। उन्होंने बताया कि 22 लाख का प्रस्ताव अगर सरकार पास करती है तो इसको पायलट प्रोजेक्ट संचालित किया जाएगा।